स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती

[सरोत: पी.आई.बी.](#)

//

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने **स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती** पर एक कार्यक्रम को संबोधति किया।

- स्वामी दयानंद सरस्वती का जन्म **12 फरवरी 1824** को **टंकारा, गुजरात** में हुआ तथा उनका मूल नाम मूल शंकर तिवारी था।
- उन्होंने सत्य की खोज में **पंद्रह वर्षों (1845-60)** तक एक तपस्वी के रूप में भ्रमण किया।
    - स्वामी दयानंद सरस्वती के दृष्टकिोण को साकार करने के लिये प्रथम **दयानंद एंग्लो वैदिक (DAV)** स्कूल वर्ष 1886 में स्थापति किया गया।
- पहली **आर्य समाज इकाई** औपचारिक रूप से **स्वामी दयानंद सरस्वती** द्वारा वर्ष **1875** में मुंबई में स्थापति की गई और बाद में आर्य **समाज** का मुख्यालय **लाहौर** में स्थापति किया गया।
- उन्होंने **वेदों** से प्रेरणा ली और उन्हें **'भारत की युगीन शिला'** के रूप में देखा जो **हिंदू धर्म** का अपरिहार्य तथा वास्तविक मूल कारक है।
    - उन्होंने "वेदों की ओर लौटो" का नारा दिया।

और पढ़ें...[स्वामी दयानंद सरस्वती]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/200th-jayanti-celebrations-of-swami-dayanand-saraswati

दृष्टि The Vision